

अधिसूचना

एतद्द्वारा विश्वविद्यालय की विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम परिनियमावली-२००४ (संशोधित-२०१५) को विधि अध्ययन बोर्ड एवं विधि संकाय बोर्ड की संस्तुति पर निम्नलिखित संशोधन किये गये हैं:-

1. पूर्व नियमावली, २००४ के बिन्दु संख्या (२) में विधि प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश निर्धारित अधिकतम आयु सम्बन्धी नियम को माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार अधिकतम आयु की बाध्यता को समाप्त किया जाता है।
2. पूर्व नियमावली, २००४ के बिन्दु संख्या (३) को सत्र २००९-१० से ही निरस्त किया जा चुका है।
3. पूर्व नियमावली, २००४ में संशोधन कर तृतीय सेमेस्टर में प्रोन्नति हेतु कम से कम ०८ (आठ) प्रश्नपत्रों को ०७ (सात) किया जाता है। इसी प्रकार सप्तम एवं नवम् सेमेस्टर में प्रोन्नति हेतु कम से कम ०८ (आठ) प्रश्नपत्रों की संख्या ०७ (सात) किया जाता है।
4. पूर्व नियमावली, २००४ को संशोधित कर पंचम सेमेस्टर में प्रोन्नति हेतु प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर उत्तीर्ण अथवा प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण तथा तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर में न्यूनतम ०७ (सात) प्रश्नपत्रों में ४५ प्रतिशत अंक अर्जित करना आवश्यक किया जाता है।
5. पूर्व नियमावली, २००४ के बिन्दु संख्या (१) में पंचवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु अधिकतम अवधि को ०८ (आठ) वर्ष के स्थान पर १० (दस) वर्ष में उत्तीर्ण करना निर्धारित किया जाता है।

विधि अध्ययन बोर्ड एवं विधि संकाय बोर्ड द्वारा संस्तुत उक्त संशोधन सत्र २०१४-१५ से प्रभावी होंगे जिसका विद्यापरिषद की बैठक दिनांक १६.०८.२०१७ एवं कार्य परिषद की बैठक दिनांक १७.८.२०१७ द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। सक्षम समितियों के निर्णयानुसार उक्त संशोधन सत्र २०१४-१५ सत्र से प्रभावी होगा।

सहा० कुलसचिव (शैक्षणिक)

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. संकायाध्यक्ष, विधि संकाय।
2. परीक्षा नियंत्रक/सहायक कुलसचिव (परीक्षा)।
3. प्रोग्रामर, ई०डी०पी० को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
4. आशुलिपिक कुलपति, कुलपति महोदय के सूचनार्थ।
5. पत्रावली।

सहा० कुलसचिव (शैक्षणिक)